Sign in to edit and save changes to this file.

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक -65
मंगलवार, 28 दिसंबर 2021
पृष्ठ-12
मूल्य-3 रुपये
झांसी, मेरठ, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

Azadi Ka Amrit Mahotsav

देश का सबसे विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

For epaper : www.dainikbhaskarup.com

23वें दीक्षांत समारोह का राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ, कहा

शिक्षा से समाज में बदलाव लाने का कार्य करें

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के ऑडिटोरियम हॉल कैलाश भवन में कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 23वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 61 मेधावियों को 72 पदक एवं पुस्तक पुरस्कार दिए गए। कुल 683 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 13 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 13 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 15 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया।

प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली और विवि के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति महोदया एवं अतिथियों के साथ ली गई। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 18 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें सौरभ कुमार बीएससी ऑनर्स (कृषि) को चार पदक, सत्य तेतली एमएससी कृषि को तीन पदक दिए गए। इस अवसर पर जेके ऑर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया को कुलाधिपति द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया। राज्यपाल व कुलाधिपति ने इस अवसर पर विवि द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर नवीन के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, दलिया, पेन, फल एवं बैग आदि भेंट किए गए। साथ ही प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को भी फल आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम कुलाधिपति व अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्वप्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया। तथा कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाकर तथा कृषि लागत को कम करने के लिए कृषि विविधीकरण एक विकल्प है। जिससे किसानों की आय दोगुनी हो। इस अवसर पर कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा शिक्षा एक ऐसा हथियार है जिससे हर जगह विजय प्राप्त की जा सकती है।

@gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com
www

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

...खबर सिर्फ जनहित के लिए

लखनऊ संस्करण, मंगलवार 28 दिसम्बर 2021 (वर्ष-9 अंक 188), मूल्य:-2.00 रुपये पृष्ठ-19

शिक्षा का मतलब सीखने की...
पेज-3

भक्ति व शक्ति का संगम है सिख...
पेज-19

देश व समाज में सौहा

23वें दीक्षांत समारोह का राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

कानपुर (विधान केसरी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में आज मा0 राज्यपाल, उ0प्र0/कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 23 वें दीक्षांत समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 61 मेधावियों को 72 पदक एवं पुस्तक पुरस्कार दिए गए। कुल 683 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 13 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 13 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 15 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। मा0 राज्यपाल /कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि श्री निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति महोदया एवं अतिथियों के साथ ली गई। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 18 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें सौरभ कुमार बीएससी ऑनर्स(कृषि)को चार पदक, तथा श्री शैलजी एमएससी कृषि को तीन पदक दिए गए।इस अवसर पर जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीनिधि पति सिंघानिया जी को कुलाधिपति महोदया द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया। मा0 राज्यपाल /कुलाधिपति महोदया द्वारा इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रायपुर नवीन के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, टॉफियां, पेन, फल एवं बैग आदि भेंट किए गए। साथ ही प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को भी फल आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मा0 राज्यपाल एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर

बल दिया तथा कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाकर तथा कृषि लागत को कम करने के लिए कृषि विविधीकरण एक विकल्प है जिससे किसानों की आय दोगुनी हो। इस अवसर पर मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा शिक्षा एक ऐसा हथियार है जिससे हर जगह विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अपनी शिक्षा से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सशक्त देश के लिए महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है। भारत सरकार ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए उनके 16 लाख खातों में मदद की जा रही है तथा गांव की महिलाएं सक्षम होकर अपनी आय को बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाया जाए। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि बाजार से कृषि निवेश किसान भाई न खरीद कर स्वयं के तैयार किया हुआ निवेश प्रयोग करें, जिससे लागत कम हो।उन्होंने विद्यार्थियों को सीख देते हुए कहा कि पहले वे अपने स्वयं की खेती में गौआधारित प्राकृतिक खेती करें जिससे कि अन्य किसान सीख सकेंगे। बच्चों को पोषण युक्त आहार देने से कुपोषण की समस्या से निपटा जा सकता है। मुझे खुशी है कि हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। जिसमें विश्व विद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन शोध निदेशालय द्वारा लिखित, सफलता की कहानी किसानों की जुबानी,प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित तथा ऑब्जेक्टिव्स मास्टर क्वेश्चन आफ प्लांट पैथोलॉजी डॉ एसके विश्वास द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉ श्वेता यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक महेश त्रिवेदी, कुलसचिव डॉ सर्वेंद्र कुमार, जिला प्रशासन के अधिकारीगण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य एवं बोर्ड के सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

अमर उजाला 28/12/2021

सीएसए में पदक पाने के बाद छात्र-छात्राओं ने कुछ इस तरह किया खुशी का इजहार। संवाद

योजनाओं की लागत न बढ़े इनमें जनता का लगता है पैसा

सीएसए के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बोलीं, हर स्कूल में हो एक अच्छी लाइब्रेरी, हर कॉलेज दो गांव गोद ले, छात्र पढ़ाई के साथ खेती में लें दिलचस्पी

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। सीएसए के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने योजनाओं को समय से पूरा करने की नसीहत दी। एक योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 40 साल पहले जब योजना शुरू हुई तो सौ करोड़ की थी और जब पूरी हुई तो उसकी लागत 10 हजार करोड़ हो गई। योजनाएं समय से पूरी की जाएं ताकि लागत न बढ़े, इनमें देश की जनता का पैसा लगता है।

राज्यपाल ने गो आधारित जीरो बजट की खेती को अपनाने पर जोर दिया और छात्रों को सीख दी कि पढ़ाई के साथ खेती में दिलचस्पी लें। उन्होंने कहा कि हर कॉलेज दो गांव गोद लें। हर स्कूल में एक अच्छी लाइब्रेरी होनी चाहिए। बच्चों को अच्छी कहानियों की किताबें दें। उन्होंने गुजरात के हरदोई गांव की रानी यादव के स्वयं सहायता समूह के बारे में बताने के साथ बीघापुर (उन्नाव) की किरण के जैविक सिरका उद्यम का जिक्र किया।

सत्यश्री को सम्मानित करतीं राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, साथ में जेके आर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष निधिपति सिंघानिया (बाएं) व कुलपति डॉ. डीआर सिंह। संवाद

उन्होंने कहा कि उद्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। किरण का 10 लाख का सालाना कारोबार है। उन्होंने हरदोई के शिक्षक अभिषेक के कृषि फार्म के बारे में बताते हुए कहा कि अगर सही दिशा में लगातार कोशिश करें तो सफलता जरूर मिलती है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 55 हजार कॉलेज और 58 हजार राजस्व ग्राम हैं। अगर एक कॉलेज एक-दो गांव गोद ले तो उस गांव की शक्ल बदल जाएगी। गांवों में सरकारी योजनाएं ही ढंग से लागू करानी हैं। बच्चों को पौष्टिक आहार देने पर उन्होंने जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि विवि प्रबंधन सर्वे कराए कि कितने छात्रों के पिता के पास भूमि है। उस भूमि पर गो आधारित जीरो बजट की खेती कराने में मदद करें। उन्होंने लोगों से सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

ये भी बोलीं राज्यपाल

- महिलाओं का सम्मान, सशक्तीकरण और समान अवसर प्राथमिकता होनी चाहिए।
- किसानों को उत्पादों का उचित मूल्य मिले, शोध कार्य किसान तक पहुंचाए सीएसए।
- किसानों के अनुभव आधारित ज्ञान का लाभ लें वैज्ञानिक।
- मौसम पूर्वानुमान से कृषि के जोखिम से निपट सकते हैं।
- पानी का प्रबंधन करें, नदियों को जोड़ने से पानी की कमी दूर होगी।
- छात्र जो विवि में सीखते हैं खेतों में करके दिखाएं, खेती में बाजारी लागत शून्य हो।
- वर्ष 2050 तक देश की आबादी होगी डेढ़ सौ करोड़, कृषि के विकास से हो सकता चुनौतियों का सामना।

सीएसए में 61 मेधावियों को मिले पदक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 23वां दीक्षांत समारोह हुआ। यहां 61 मेधावियों को 54 पदक दिए गए। कई मेधावियों को पुस्तक पुरस्कार दिए गए। सर्वश्रेष्ठ अंक पाने वाले 13 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 13 को विवि रजत पदक, 13 को विवि कांस्य पदक और 15 को प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए। सोमवार सुबह 11:54 पर राज्यपाल और मुख्य अतिथि जेके आर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष निधिपति सिंघानिया शोभायात्रा के साथ सीएसए स्थित सभागार में पहुंचे। दोपहर 12:01 पर राज्यपाल ने समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने विवि की आख्या प्रस्तुत करते हुए बताया कि विवि में ई लर्निंग सुविधाओं को मुहैया कराने के लिए ई बुक्स और ई जर्नल की व्यवस्था की गई है। स्मार्ट क्लास रूम भी संचालित हो रहे हैं। वैज्ञानिकों ने तीन सौ से ज्यादा प्रजातियां विकसित की हैं। कानपुर देहात के अनूपपुर गांव को देश का पहला बायो फोर्टिफाइड विलेज बनाया है। उन्नत किस्म की फसलों की प्रजातियों की बुआई कर गांव को कुपोषण मुक्त बनाया गया है। राज्यपाल, मुख्य अतिथि और कुलपति ने मेधावियों को पदक दिए। निधिपति सिंघानिया को कुलाधिपति ने मानद उपाधि से विभूषित किया। राज्यपाल ने विवि के गोद लिए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर नवीन के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, दलिया, फल, बैग भेंट किए। शाम को कल्चरल नाइट में छात्र-छात्राओं ने जमकर मस्ती की। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सर्वेंद्र कुमार, डॉ. नौशाद खान, डॉ. श्वेता यादव, डॉ. रितु पांडेय, डॉ. खलील खान, विधायक महेश त्रिवेदी आदि मौजूद रहे। (संवाद)

- रजत पदक पाने वाले – देवेश यादव एमएससी (एजी), पालिका रघुवंशी एमएससी (हॉर्टिकल्चर), विकास यादव एमबीए (एग्री बिजनेस), दिव्यांका तिवारी एमएससी (होम साइंस), सौरभ कुमार बीएससी (ऑनर्स) एजी, वृष्टि सिंह एमएससी (ऑनर्स) होम साइंस, विकास वर्मा बीएससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर, कुलदीप बीएससी (ऑनर्स) वानिकी, आराध्या किरन चौधरी बीटेक (एग्री इंजीनियरिंग), यश मेहरोत्रा बीटेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), सौम्या अवस्थी बीटेक (सीएस), प्रभा कुमार बीएफएससी और नवीन दीक्षित बीटेक (डेयरी टेक्नोलॉजी)।
- कांस्य पदक पाने वाले – राहुल यादव एमएससी (एजी), सिद्धार्थ गौतम एमएससी (हॉर्टिकल्चर), जया बिष्ट एमबीए (एग्री बिजनेस), सपना शाह एमएससी (होम साइंस), विनोद सिंह बीएससी (ऑनर्स) एजी, स्नेहा गर्ग बीएससी (ऑनर्स) होम साइंस, प्रशांत कुमार त्रिपाठी बीएससी (ऑनर्स) हॉर्टिकल्चर, कौशल कुमार बीएससी (ऑनर्स) वानिकी, अंजली यादव बीटेक (एग्री इंजीनियरिंग), अमन वर्मा बीटेक, मोहम्मद सलीम बीटेक, मनी चौहान बीएफएससी और शुभम यादव बीटेक (डेयरी टेक्नोलॉजी)।

किसानों के सपूतों ने हासिल किए मेडल

सीएसए के दीक्षांत समारोह में कई मेधावियों ने पाए एक से अधिक पदक

कानपुर। सीएसए में दीक्षांत समारोह में कई किसानों के बच्चों ने मेडल पाकर अपने पिता का मान बढ़ाया है। इनमें कई छात्र छात्राएं ऐसे हैं, जिनके पिता के पास मात्र एक, दो बीघा खेत ही है। किसी ने बैंक से लोन लेकर पढ़ाई की तो किसी के पिता ने रिश्तेदारों से पैसा उधार लेकर अपने बच्चों को पढ़ाया। (संवाद)

पिता मुद्रिका प्रसाद किसान हैं, उनके पास केवल दो बीघा खेत है। मेरी पढ़ाई के लिए पिता ने बैंक से लोन लिया है। अब मुझे उसको चुकाने के लिए काबिल बनना है। यह कहना है सीतापुर के रहने वाले बृजेश कुमार का। उन्होंने बीएससी (एजी) में 8.69 ओवरऑल ग्रेड प्वाइंट एवरेज (ओजीपीए) पाकर कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाया है।

ललितपुर निवासी राजीव कुमार ने बीएससी (हॉर्टिकल्चर) कोर्स में 8.37 ओजीपीए पाकर कुलाधिपति स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने बताया कि पिता महेश कुमार किसान हैं। उनके पास तीन बीघा खेत है। मुझे पढ़ाई कराने के लिए उन्होंने रिश्तेदारों से पैसे उधार लिए हैं। मुझे उनको इस तपस्या का अच्छा फल देना है।

सीएसए के इटावा स्थित प्रौद्योगिकी कॉलेज से बीटेक करने वाले सलिल शुक्ला ने 8.24 ओजीपीए के साथ कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाया है। पिता राजेश किसान और मां अनीता गृहिणी हैं। नौबस्ता निवासी सलिल ने बताया कि साढ़े पांच बीघा खेती से घर का खर्च चलता है। स्कॉलरशिप से उन्होंने पढ़ाई की है।

बीएससी (ऑनर्स) एजी में 8.54 ओजीपीए अंक पाने वाले सौरभ कुमार ने सर्वाधिक चार पदक पाए हैं। इनको विवि रजत, डॉ. कीर्तिकार मेमोरियल गोल्ड, स्व. अक्षयवर सिंह मेमोरियल गोल्ड और आप्पी गोल्ड मेडल मिला है। इनके पिता दुर्गा प्रसाद किसान हैं, उनके पास 20 बीघा खेती है। यूपी कैटेट की परीक्षा में सातवीं रैंक पाकर यह सीएसए से एमएससी (प्लांट पैथोलॉजी) की पढ़ाई कर रहे हैं। लखीमपुर निवासी सौरभ भविष्य में पीसीएस अधिकारी बनना चाहते हैं। मां कुसुमा देवी गृहिणी हैं।

कई छात्रों को एक से अधिक पदक

समारोह में कई छात्र-छात्राओं को एक से ज्यादा पदक मिले। बीएससी (ऑनर्स) एजी के सौरभ कुमार को विवि रजत और तीन प्रायोजित स्वर्ण पदक मिले। एमएससी एंटोमोलॉजी की सत्यश्री तेटली को कुलाधिपति स्वर्ण और दो प्रायोजित स्वर्ण पदक मिले हैं। एमएससी की वर्तिका को कुलाधिपति स्वर्ण और एक प्रायोजित स्वर्ण पदक मिला।

- तीन पुस्तकों का विमोचन: समारोह में राज्यपाल ने शोध निदेशालय की ओर से प्रकाशित विवि वार्षिक प्रतिवेदन, प्रसार निदेशालय की ओर से प्रकाशित सफलता की कहानी किसानों की जुबानी और डॉ. एसके विश्वास की ऑब्जेक्टिव्स मास्टर ब्लास्टर ऑफ प्लांट पैथोलॉजी का विमोचन किया गया।
- रास्ते में थीं लेकिन कार्यक्रम में न आईं राज्यमंत्री: बतौर विशिष्ट अतिथि आमंत्रित राज्यमंत्री नीलिमा कटियार समारोह में नहीं आ सकीं। मंच से घोषणा की गई कि वह रास्ते में हैं पर वह आ न पाईं। मंच पर उनकी सीट खाली रही।

बीएससी की टॉपर ने एमएससी में भी पाया गोल्ड

कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस की छात्रा वर्तिका श्रीवास्तव ने एमएससी (होम साइंस) में 8.55 ओजीपीए पाकर कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाया है। इन्होंने सीएसए से बीएससी (होम साइंस) की पढ़ाई में भी गोल्ड मेडल पाया था। गीता नगर निवासी वर्तिका इस समय चौधरी चरण सिंह कृषि विवि हिसार से पीएचडी कर रही हैं।

एग्री एंटरप्रेन्योर बन देंगी रोजगार

एग्री बिजनेस मैनेजमेंट करने वाली स्मृति यादव ने 8.87 ओजीपीए पाकर कुलाधिपति स्वर्ण पदक हासिल किया है। पिता अजयवीर सिंह सीएसए के डीएसडब्ल्यू कार्यालय में कार्यरत हैं। बरेली निवासी स्मृति इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट से पीएचडी के लिए तैयारी कर रही हैं। वह भविष्य में एग्री एंटरप्रेन्योर बनकर किसानों को रोजगार देना चाहती हैं।

यशस्वी को मिले दो स्वर्ण पदक

सीएसए से एमएससी (हॉर्टिकल्चर) की पढ़ाई करने वाली श्री माया यशस्वी को दो गोल्ड मेडल मिले हैं। इनके 8.49 ओजीपीए हैं। इनको कुलाधिपति स्वर्ण, पीएन बाजपेई मेमोरियल स्वर्ण पदक और पुस्तक पुरस्कार मिला है। प्रयागराज निवासी यशस्वी पीएचडी करके शोध क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहती हैं।

सत्यश्री ने पाए तीन स्वर्ण पदक

एमएससी (कीट विज्ञान) की छात्रा सत्यश्री तेटली ने 8.79 ओजीपीए पाकर तीन स्वर्ण पदक पाए हैं। उन्होंने बताया कि वह अपनी कक्षा में अकेली छात्रा थीं। शुरुआत में डर लगा लेकिन धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले में रहने वाली सत्यश्री सिविल सेवाओं की तैयारी कर रही हैं। पिता नारायणन रेड्डी व्यापारी हैं।

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
पीएम मोदी ने हिमाचल को दी 11 हजार... 12 | योगी सरकार ने जाति-चेहरा देख काम नहीं किया... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्षः 13 | अंकः 76
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | लखनऊ | मंगलवार | 28 दिसंबर, 2021

भारत सरकार ने स्वयं सहायता समूहों की आय बढ़ाने के लिए की मदद: राज्यपाल

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में सोमवार को कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 23 वें दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे प्रदेश की राज्यपाल, मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जे. के. ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए तथा पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीनिधि पति सिंघानिया को कुलाधिपति द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलाधिपति और अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विधायक महेश त्रिवेदी, कुलसचिव डॉ. सर्वेंद्र कुमार, जिला प्रशासन अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य एवं बोर्ड सदस्य मौजूद रहे।

23 वें दीक्षांत समारोह का राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

61 मेधावियों को 72 पदक एवं पुस्तक पुरस्कार, मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में सोमवार को कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 23 वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 61मेधावियों को 72 पदक एवं पुस्तक पुरस्कार दिए गए।कुल 683 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई।उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 13 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 13 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 15 छात्र छात्राओं को

प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए। इस दौरान पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति महोदया एवं अतिथियों के साथ ली गई। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 18 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें सौरभ कुमार बीएससी ऑनर्स कृषि को चार पदक, सत्य श्री तेतली एमएससी कृषि को तीन पदक दिए गए। इस अवसर पर जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निधि पति सिंघानिया को कुलाधिपति द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर नवीन के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, दलिया, पेन, फल एवं बैग आदि भेंट किए गए। साथ ही प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को भी फल आदि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम कुलाधिपति एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाया जाए। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि बाजार से कृषि निवेश किसान भाई न खरीद कर स्वयं के तैयार किया हुआ निवेश प्रयोग करें।जिससे लागत कम हो।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। जिसमें विश्व विद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन शोध निदेशालय द्वारा लिखित, सफलता की कहानी किसानों की जुबानी,प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित तथा ऑब्जेक्टिव्स मास्टर ब्लास्टर आफ प्लांट पैथोलॉजी डॉ एसके विश्वास द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉ श्वेता यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक महेश त्रिवेदी, कुलसचिव डॉ सर्वेंद्र कुमार, जिला प्रशासन के अधिकारीगण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य एवं बोर्ड के सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

28/12/2021

Haryana reports two more cases of #Omicron variant of COVID19: Health department.@ANI

PICS: DAINIK JAGRAN INEXT

पदक पाने के बाद स्टूडेंट्स में दिखा उत्साह.

पदक पाने के बाद स्टूडेंट्स में दिखा उत्साह.

सीएसए में टॉपर्स को मिले 72 मेडल

सीएसए के 23 वें कॉन्वोकेशन में 683 स्टूडेंट्स को डिग्रियां

kanpur@inext.co.in

KANPUR (27 Dec): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी में मंडे को 23वां कॉन्वोकेशन आयोजित किया. कुलाधिपति एवं यूपी की गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की. इस दौरान 61 टॉपर्स को 72 मेडल और एवं पुरस्कार दिए गए. कॉन्वोकेशन में 683 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 स्टूडेंट्स को कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 13 स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी रजत पदक, 13 स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी कांस्य पदक एवं 15 स्टूडेंट्स को प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए. गवर्नर आनंदीबेन पटेल, चीफ गेस्ट निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली और कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने मेधावियों को पदक दिए.

गवर्नर ने पुस्तक का किया विमोचन.

शिक्षा से सकारात्मक बदलाव

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने स्टूडेंट्स का शिक्षा एक ऐसा हथियार है जिससे हर जगह विजय प्राप्त की जा सकती है. उन्होंने कहा कि अपनी शिक्षा से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करें. उन्होंने कहा कि सशक्त देश के लिए महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है.भारत सरकार ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए उनके 16 लाख खातों में मदद की जा रही है. कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी है.

इन स्टूडेंट्स को मिले गोल्ड मेडल

बृजेश कुमार नाग (बीएसएसी कृषि आनर्स), आकांक्षा वर्मा (बीएससी आनर्स कम्यूनिटी साइंस), आकाश कुमार गौड़ (बीएससी आनर्स व निकी), राजीव कुमार (बीएससी आनर्स उद्यान), जितेंद्र कुमार, (बीटेक कृषि अभियंत्रिकी), उमग तिवारी (बीटेक मेकेनिकल इंजीनियरिंग), सलिल शुक्ला (बीटेक कम्प्यूटर साइंस), विश्वेष कुमार सिंह (बीटेक डेयरी टेक्नोलॉजी), साक्षी मौर्या (बीएफएससी फिशरिस साइंस), सत्य श्री तेतली (एमएससी कृषि), जिनागा यशस्वी (एमएससी उद्यान), स्मृति यादव (एमबीए एग्री. बिजनेस), वर्तिका श्रीवास्तव (एमएससी गृह विज्ञान).

इन्हें मिले सिल्वर मेडल

सौरभ कुमार (बीएससी आनर्स कृषि), सृष्टि सिंह (बीएससी ऑनर्स कम्यूनिटी साइंस), कुलदीप (बीएससी ऑनर्स वानिकी), विकास वर्मा (बीएससी ऑनर्स उद्यान).

सौरभ को चार पदक

सौरभ कुमार बीएससी ऑनर्स(कृषि)को चार पदक, सत्य श्री तेतली एमएससी कृषि को तीन पदक दिए गए. कुलाधिपति ने यूनिवर्सिटी द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर के 25 बच्चों को पुस्तकें, दलिया, पेन, फल एवं बैग भेंट किए.

निधिपति सिंहानिया को मानद उपाधि

जेके ऑर्गनाइजेशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया को कुलाधिपति ने मानद उपाधि से विभूषित किया. उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया. कहा कि मृदा मे जीवांश कार्बन बढ़ाकर तथा कृषि लागत को कम करने के लिए कृषि विविधीकरण एक विकल्प है. जिससे किसानो की आय दोगुनी हो.

गवर्नर से मेडल पाकर युवाओं में दिखा उत्साह

कार्यालय
प्रतापगढ़ वृत्त, लो
ई-

पत्रांक:- 5646 / 95सी / ईटेण्डरिंग / प्र0प्र0वृ0 / 2021
महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश

उ0प्र0. लोक निर्माण विभाग के पात्र पंजीकृत निविदा
आमन्त्रित की जाती है।

क्र म सं	जिला	कार्य का नाम
1	2	3
1	फतेहपुर	[illegible]
2	फतेहपुर	[illegible]
3	फतेहपुर	[illegible]

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://ct
उपलब्ध है, जो दिनांक–05.01.2022 को दोपहर 12:00
दिनांक 05.01.2022 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी

1:- लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मू
http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है।
2:- प्रहरी पर समस्त सूचना व अभिलेख अपलोड कर प्रस्तु
जायेगी, जिसकी कापी स्कैन कर e-tender portal h
3:- प्रहरी पर कतिपय सूचना/अभिलेख अपलोड करने के उ

(अनिल कुमार शील)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0
फतेहपुर

UP- 172868 दिनांक 25.12.2021 विज्ञाप

"कोरोना को रोकें : मास्क पहनें, शारीरिक दूरी का पालन करें, हाथों की स्वच्छता बनायें रखें"
दिल्ली जल बोर्ड
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
कार्यालय अधिशासी अभियंता (WB)-I

कार्यालय जिला बेसिक शि
पत्रांक: के0जी0बी0वी0 / स्टॉफ चयन / 5574 / 2021–22

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में 72 छात्र-छात्राओं को पदक, कुलाधिपति ने निधिपति सिंघानिया को मानद उपाधि दी

दीक्षांत : पदक पाकर खिल उठे मेधावियों के चेहरे

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के 23वें दीक्षांत समारोह में पदक व पुरस्कार पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी मेधावियों को मेडल देकर सम्मानित किया। समारोह के मुख्य अतिथि जेके ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट निधिपति सिंघानिया को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। सर्वाधिक चार पदक सौरभ कुमार को मिले। कुल 683 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं। कुल 61 मेधावियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, विवि रजत पदक, विवि कांस्य पदक, प्रायोजित स्वर्ण पदक समेत 72 पदक व पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समारोह का शुभारंभ शोभा परेड से हुआ। फिर वंदे मातरम और दीप प्रज्जवलन से प्रक्रिया शुरू हुई। राज्यपाल ने अलग-अलग पाठ्यक्रम के 13 मेधावियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 13 को विवि रजत पदक, 13 को विवि कांस्य पदक, 15 प्रायोजित स्वर्ण पदक व 18 पुस्तक पुरस्कार से सम्मानित किया। विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने सभी छात्रों को उपाधि की शपथ दिलाने के साथ विवि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलपति ने अतिथि के रूप में आए बच्चे जिस स्कूल के हैं, उसे गोद लेने की भी बात कही। कुलाधिपति ने निधिपति सिंघानिया को मानद उपाधि देकर सम्मानित किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि उच्च प्राथमिक विद्यालय के 25 बच्चों को राज्यपाल ने उपहार भेंट किए। तीन पुस्तक विवि वार्षिक प्रतिवेदन, सफलता की कहानी किसानों की जुबानी और ऑब्जेक्टिव मास्टर ब्लास्टर ऑफ प्लांट पैथोलॉजी का विमोचन किया। संचालन डॉ. नौशाद खान व डॉ. श्वेता ने किया। विधायक महेश त्रिवेदी, रजिस्ट्रार डॉ. एसके गुप्ता, डॉ. खलील रहे।

सीएसए सोमवार को सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सर्वोच्च मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं ने कुछ इस तरह से किया खुशी का इजहार

जेके समूह के वाइस प्रेसिडेंट निधिपति सिंघानिया मानद उपाधि से सम्मानित किए गए।

इनको मिले पदक

- सत्या श्री तेतली : कुलाधिपति स्वर्ण पदक, देवराजी मेमोरियल गोल्ड मेडल, डॉ. एमएम अग्रवाल गोल्ड मेडल, पुस्तक पुरस्कार
- जी नागा यशस्वी : कुलाधिपति स्वर्ण पदक, डॉ. पीएन बाजपेई गोल्ड मेडल, पुस्तक पुरस्कार
- स्मृति यादव : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- कुलेश कुमार नाग : कुलाधिपति स्वर्ण पदक, राय साहब गजोधर लाल मेमोरियल गोल्ड मेडल
- राजीव कुमार : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- जितेंद्र कुमार : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- सलिल शुक्ला : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- विश्वेश कुमार सिंह : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- वर्तिका श्रीवास्तव : कुलाधिपति स्वर्ण पदक, सरस्वती वर्मा गोल्ड मेडल, पुस्तक पुरस्कार
- आकांक्षा वर्मा : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- आकाश कुमा गौड़ : कुलाधिपति स्वर्ण पदक, प्रो. हनुमान प्रसाद चौधरी गोल्ड मेडल
- उमंग तिवारी : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- साक्षी मौर्या : कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- सौरभ कुमार : विश्वविद्यालय रजत पदक, डॉ. कीर्तिकर मेमोरियल गोल्ड मेडल, अक्षयवर सिंह मेमोरियल गोल्ड मेडल, एएसपीईई गोल्ड मेडल

सीएसए के दीक्षांत में इन्हें मिले कुलाधिपति स्वर्ण पदक

उमंग तिवारी।

आईएएस बन करना चाहते हैं देश व समाज की सेवा

फतेहगढ़ निवासी उमंग तिवारी के पिता विनय तिवारी जिला उद्यान निरीक्षक हैं। बहन शिवांगी लाइफ साइंस में एमएससी कर रही है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग से बीटेक करने वाले उमंग को इंडियन आर्मी में जॉब मिल चुकी है। फिलहाल वह आईएएस बन देश और समाज की सेवा करना चाहते हैं। उमंग ने फतेहगढ़ स्थित केंद्रीय विद्यालय से 10वीं व 12वीं की पढ़ाई की है।

राजीव कुमार।

बुंदेलखंड के किसानों की बढ़ानी है आमदनी

ललितपुर के राजीव कुमार बुंदेलखंड के किसानों की आय बढ़ाने के लिए रिसर्च कर नई तकनीक विकसित करना चाहते हैं। राजीव के पिता महेश किसान हैं और मां कौशल्या गृहिणी हैं। करीब दो एकड़ खेती के बावजूद अच्छी उत्पादकता न होने से आर्थिक संकट रहता है। राजीव ने बताया कि जेआरएफ में 129वीं रैंक प्राप्त कर रिसर्च वर्क कर रहे हैं।

आकाश गौड़।

किसानों को समझाना है स्मार्ट एग्रीकल्चर

देवरिया के रहने वाले आकाश कुमार गौड़ किसानों को स्मार्ट एग्रीकल्चर सिखाना चाहते हैं। आकाश के पिता राजेश गौड़ डिग्री कॉलेज में क्लर्क हैं और मां रीता देवी गृहिणी हैं। आकाश आईएएस बनकर किसानों की समस्या खत्म करना चाहते हैं। इसके लिए आकाश ने प्लेसमेंट भी नहीं लिया है। वे पढ़ाई के साथ ही किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सर्वे कार्य कर रहे थे।

वर्तिका श्रीवास्तव।

रिसर्च कर किसानों की समस्या करनी है अब कम

गीतानगर की वर्तिका श्रीवास्तव रिसर्च कर किसानों की समस्या को कम करना चाहती हैं। वर्तिका साथियों के साथ बिना जश्न मनाएं वापस घर लौट गईं। क्योंकि दोपहर बाद भौंती में यूजीसी की परीक्षा देनी थी। वर्तिका का हरियाणा में भी पीएचडी के लिए चयन हो गया है। वर्तिका के पिता राजेश श्रीवास्तव की फर्टिलाइजर की दुकान है और मां सुमन गृहिणी हैं।

सलिल शुक्ला।

ऑनलाइन आसान करने को विकसित करना है सॉफ्टवेयर

गल्लामंडी के सलिल शुक्ला ऑनलाइन कार्यों को आसान बनाने के लिए साफ्टवेयर विकसित करना चाहते हैं। सलिल के पिता राजेश कुमार शुक्ला किसान हैं। सलिल की कान्निजेट कंपनी में 4.5 लाख रुपये के पैकेज पर प्लेसमेंट हुआ है। एसजे एजुकेशन सेंटर से 12वीं की करने वाले सलिल का लक्ष्य समाज की समस्याओं को दूर करने वाले नए-नए सॉफ्टवेयर विकसित करना है।

किसानों की बेटी बनना चाहती हैं आकांक्षा

गुजैनी निवासी आकांक्षा वर्मा का जज्बा सराहनीय है। आकांक्षा ने बताया कि पिता अरविंद कुमार आईटीबीपी में और माता गृहणी हैं। आकांक्षा कहती हैं कि कम्युनिटी साइंस ने बीएससी कर आगे यूपीएससी की तैयार कर रही हूं। इसके लिए ऑनलाइन क्लास के साथ खुद भी पढ़ रही। मेरा लक्ष्य है कि आईएएस बन किसानों तक सभी सुविधाओं का लाभ पहुंचाना और संवाद बढ़ाना है।

गोल्ड मेडल

न लिया प्लेसमेंट, आईएएस बनना सपना

लखीमपुर खीरी के रहने वाले सौरभ कुमार को सर्वाधिक चार पदकों से सम्मानित किया जाएगा। सौरभ का सपना आईएएस बनने का है। सौरभ के पिता दुर्गा प्रसाद किसान हैं और मां कुसुमा देवी गृहिणी हैं। सौरभ ने सिविल सर्विस की तैयारी के लिए करीब चार लाख रुपये के प्लेसमेंट होने के बावजूद जॉब ऑफर स्वीकार नहीं किया। सौरभ फिलहाल प्लांट पैथोलॉजी से एमएससी की पढ़ाई कर रहे हैं।

इन्हें भी मिला सम्मान

प्रो. हनुमान प्रसाद चौधरी : गोल्ड मेडल, सरस्वती वर्मा : गोल्ड मेडल, पुस्तक पुरस्कार, सौरभ कुमार : विश्वविद्यालय रजत पदक, डॉ. कीर्तिकर मेमोरियल गोल्ड मेडल, अक्षयवर सिंह मेमोरियल गोल्ड मेडल, एएसपीईई गोल्ड मेडल

बोलीं राज्यपाल

जनता का पैसा बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि जनता इनकम टैक्स भरती है, इसलिए उसके पैसे बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है। यह कटाक्ष उन्होंने सरयू परियोजना का उदाहरण देते हुए किया। कहा, इसमें लगी रकम आमजन की है। यह परियोजना 40 साल पहले शुरू हुई थी, तब लागत 100 करोड़ थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चार वर्षों के निरंतर प्रयास के बाद कुछ दिन पहले इसे शुरू किया गया लेकिन 10 हजार करोड़ रुपये का बजट खर्च हो गया। अगर इसे समय से पूरा कर लिया जाता तो जनता का पैसा बर्बाद नहीं होता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के 23वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा कि वैज्ञानिक कृषि तकनीक को खेतों तक पहुंचाएं। किसानों को इसका प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें तभी तकनीक का सदुपयोग होगा और खेतों में समृद्धि नजर आएगी। सिर्फ लैब में या फाइलों में तकनीक विकसित करने का फायदा नहीं।

23
वें दीक्षांत में सरयू परियोजना की लागत बढ़ने का दिया उदाहरण एक महाविद्यालय एक गांव को समृद्ध बनाए

संबोधन

- वैज्ञानिक कृषि तकनीक को खेतों तक पहुंचाएं और किसानों को प्रोत्साहित करें
- गौ आधारित खेती को बढ़ावा दें कृषि विशेषज्ञ, छात्र अपने खेतों से करें शुरुआत

राज्यपाल ने गौ आधारित खेती की अपील करते हुए कहा, पढ़ाई पूरी कर निकल रहे छात्र इसकी शुरुआत अपने खेतों से करें। धीरे-धीरे पूरा गांव जागरूक होगा और जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। बोलीं-प्रदेश में 55 हजार से अधिक महाविद्यालय हैं और करीब 50 हजार गांव हैं। अगर एक महाविद्यालय एक गांव को समृद्ध बनाए तो प्रदेश का पांच साल में कई गुना विकास हो जाएगा। वैज्ञानिक अपनी तकनीक व गांव के किसानों के अनुभवों का समायोजन करें और अच्छी योजना तैयार करें। खेतों के अपशिष्ट जलाने के बजाए मिट्टी में ही दबाकर उर्वरकता बढ़ाएं। कृषि विज्ञान केंद्रों को अभी और बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है।

कुपोषित बच्चों को पोषक तत्वों की जरूरत

आनंदीबेन ने कहा कि ये हमारे संस्कार हैं कि बच्चों को मिलने वाली चॉकलेट या फल वे पहले अपने माता-पिता को खाने के लिए पूछते हैं। उन्होंने बच्चों से अपील की, अपनी सेहत बनाए रखने के लिए वे खुद ही खाएं। क्योंकि अधिकतर बच्चे कुपोषित हैं, उन्हें पोषक तत्वों की जरूरत है।

मूर्ति से अच्छा किताबों से सजाएं घर

राज्यपाल ने भेंट की गई किताबों को देख खुशी जाहिर की। कहा, उपहार में लोग मूर्तियां देते हैं, उसे घर में सजाने में अच्छा लगता है लेकिन कोई सदुपयोग नहीं होता। घर में भी अच्छी किताबें रखें। स्कूलों में लाइब्रेरी बनवाएं। मैंने भी लखनऊ के एक अनाथालय को लाइब्रेरी के लिए 150 पुस्तकें भेंट की हैं, जो मुझे भी उपहार स्वरूप मिली थीं।

रानी और किरन की तरह बनें स्वावलंबी

राज्यपाल ने उन्नाव की किरन और रानी यादव का उदाहरण देते हुए महिलाओं से स्वावलंबी बनने की अपील की। उन्नाव के बीघापुर की किरन ने सवा लाख रुपये लोन लेकर सिरका का व्यापार शुरू किया जो सालाना 10 लाख रुपये का हो चुका है। जैविक सिरका हरियाणा व पंजाब तक भेजा जा रहा है। इसमें 15 महिलाएं भी कार्य कर रही हैं।

2050 में 150 करोड़ होगी आबादी

उन्होंने कहा कि वर्ष 2050 में देश की आबादी 150 करोड़ होगी। ऐसे में प्रति व्यक्ति को भरपूर खुराक मिले। पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का उत्पादन करना चुनौती है। कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सकता है, वैज्ञानिक इस क्षेत्र में शोध करें।

Sign in to edit and save changes to this file.

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 13 अंक : 74 कानपुर देहात, मंगलवार 28 दिसम्बर 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com पृष्ठ : 4

23 वें दीक्षांत समारोह का राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) मे कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल जी की अध्यक्षता में 23 वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 61मेधावियों को 72 पदक एवं पुस्तक पुरस्कार दिए गए।कुल 683 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई।उपाधियां और मेडल पाकर छात्र–छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 13 छात्र– छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 13 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 15 छात्र छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी. आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 18 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक कई छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें सौरभ कुमार बीएससी ऑनर्स(कृषि)को चार पदक, सत्य श्री तेतली एमएससी कृषि को तीन पदक दिए गए। इस अवसर पर जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीनिधि पति सिंघानिया को कुलाधिपति द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया। राज्यपाल कुलाधिपति द्वारा इस अवसर पर

विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर नवीन के 25 छात्र–छात्राओं को पुस्तकें, दलिया, पेन, फल एवं बैग आदि भेंट किए गए। कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल देते हुए कहा कि मृदा में जीवांश कार्बन बढ़ाकर तथा कृषि लागत को कम करने के लिए कृषि विविधीकरण एक विकल्प है।जिससे किसानों की आय दोगुनी हो। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। तथा उन्होंने कहा शिक्षा एक ऐसा हथियार है जिससे हर जगह विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अपनी शिक्षा से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य करें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सशक्त देश के लिए महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है। भारत सरकार ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए उनके 16 लाख खातों में मदद की जा रही है। तथा गांव की महिलाएं साक्षर होकर अपनी आय को बढ़ा रही हैं। तथा कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि लागत को कम किया जाए तथा गौ आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाया जाए। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि बाजार से कृषि निवेश किसान भाई न खरीद कर स्वयं के तैयार किया हुआ निवेश प्रयोग करें।जिससे लागत कम हो।उन्होंने विद्यार्थियों को सीख देते हुए कहा कि पहले ये अपनी स्वयं की खेती में गौआधारित प्राकृतिक खेती करें जिससे कि अन्य किसान सीख सकेंगे। बच्चों को पोषण युक्त आहार देने से कुपोषण की समस्या से निपटा जा सकता है। मुझे खुशी है कि हरित क्रांति में इस विश्वविद्यालय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। जिसमें विश्व विद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन शोध निदेशालय द्वारा लिखित, सफलता की कहानी किसानों की जुबानी,प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित तथा ऑब्जेक्टिव्स मास्टर ब्लास्टर आफ प्लांट फैथोलॉजी डॉ एसके विश्वास द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ नौशाद खान एवं डॉ श्वेता यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विधायक महेश त्रिवेदी, कुलसचिव डॉ सर्वेंद्र कुमार, जिला प्रशासन के अधिकारीगण,सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य एवं बोर्ड के सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

जीरो बजट खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें छात्र

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के दीक्षा समारोह में बोलीं आनंदीबेन पटेल, कहा- नवीन तकनीक किसानों तक पहुंचाना जिम्मेदारी

जागरण संवाददाता, कानपुर : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के दीक्षा समारोह में छात्र-छात्राओं से जीरो बजट प्राकृतिक खेती को बढ़ाने में सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कृषि शिक्षा से जुड़े छात्रों की जिम्मेदारी है कि वे नवीन तकनीक किसानों तक पहुंचाएं। किसानों की आय दोगुणा करने के लिए जीरो बजट खेती के लिए प्रोत्साहित करें। छात्र अगर खुद किसान परिवार से हैं तो कम से कम एक एकड़ में प्राकृतिक खेती कराएं।

राज्यपाल ने बताया कि 10 दिन पूर्व प्रधानमंत्री ने भी शिखर सम्मेलन में जीरो बजट प्राकृतिक खेती के फायदे बताए थे। उन्होंने बताया कि इस खेती में लागत कम होती है। इससे आय बढ़ती है। राज्यपाल ने कहा कि किसान एक वैज्ञानिक की तरह हैं। वह अपने खेतों में नवीन प्रयोग करते हैं। कई तो उन्नत बीज पैदा कर रहे हैं। विद्यार्थियों को किसानों के पास जाकर उनसे सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सशक्त देश के लिए महिलाओं का सशक्त होना जरूरी है। सरकार ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए ही उनके 16 लाख खातों में धनराशि दी। उन्होंने स्कूली बच्चों को पोषणयुक्त आहार देने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने संबोधन के दौरान इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर पड़े छापे की कार्रवाई का इशारों में जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पेट भरने को चार रोटी, थोड़ी दाल, सब्जी, चावल चाहिए। फिर भी लोग धन इक्ट्ठा करने में जुटे हैं। लोगों को ऐसे काम करने चाहिए, जिससे देश का विकास हो और उनका नाम हो। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 50 हजार कालेज और 58 हजार राजस्व गांव हैं। अगर हर कालेज एक राजस्व ग्राम गोद ले तो गांवों की सूरत बदल सकती है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में आयोजित दीक्षा समारोह में उद्योगपति निधिपति सिंहानिया को मानद उपाधि प्रदान करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल • जागरण

फील्ड में जाकर तकनीक सीखें

राज्यपाल ने हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विवि (एचबीटीयू) के दीक्षा समारोह में छात्र-छात्राओं से कहा कि वह फील्ड में जाकर सरकार की ओर से चलाई जा रही परियोजनाओं मेट्रो, राममंदिर निर्माण आदि में इस्तेमाल हो रही तकनीक को देखें। इससे अध्ययन में फायदा होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी शोधकार्य बढ़ाएं। महाराष्ट्र के मयूर पाटिल नामक शख्स का भी जिक्र किया, जिन्होंने अपनी बाइक को मोडीफाई करके कार्बन उत्सर्जन कम किया और माइलेज बढ़ाया।

सीसए के दीक्षा समारोह में आकांक्षा वर्मा को गोल्ड मेडल प्रदान करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। साथ में कुलपति डा. डीआर सिंह (दाएं) व उद्योगपति निधिपति सिंहानिया• जागरण

मेधावियों को मिले पदक व पुरस्कार

जास, कानपुर : सीएसए के 23वें दीक्षा समारोह में सोमवार को 61 मेधावियों को 72 पदक व पुरस्कार और 683 छात्र छात्राओं को डिग्री दी गई। कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दीप जलाकर शुभारंभ करने के बाद मुख्य अतिथि जेके ग्रुप के उपाध्यक्ष निधिपति सिंहानिया को भी मानद उपाधि से अलंकृत किया।

सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में कार्यक्रम निर्धारित समय पूर्वाह्न 11 बजे से 55 मिनट देरी से शुरू हुआ। कुलपति डा. डीआर सिंह ने संस्थान का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संस्थान प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहा है। इस वर्ष 175 विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी, अर्धसरकारी व निजी संस्थानों में रोजगार मिला है। विवि ने मूंग, मसूर, सरसों, अलसी की नई प्रजातियां तैयार की हैं, जो किसानों के लिए बेहद फायदेमंद हैं। मुख्य अतिथि को मानद उपाधि देने के बाद विवि के विद्यार्थियों को पदक, पुस्तक पुरस्कार और उपाधियां दी गईं। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 13 को विवि रजत पदक, 13 को विवि कांस्य पदक, 15 को प्रायोजित स्वर्ण व परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 18 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। छात्रों को शपथ भी दिलाई गई। बीएससी आनर्स (कृषि) के छात्र सौरभ कुमार को सबसे ज्यादा चार और एमएससी कृषि की छात्रा सत्यश्री तेतली को तीन पदक मिले। राज्यपाल ने विवि की ओर से गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर नवीन के 25 छात्रों को पुस्तक, दलिया, फल व बैग भेंट किया। निधिपति सिंहानिया ने कृषि विविधीकरण पर जोर दिया।

इन्हें मिली डिग्री

पीएचडी के 33, एमएससी (कृषि) के 132, एमएससी होमसाइंस के 24, एमएससी उद्यान के 18, एमबीए के 34, एमटेक के एक, बीएससी आनर्स (कृषि) के 232, बीएससी आनर्स (उद्यान) के 39, बीएससी आनर्स फारेस्ट्री के 28, बीएससी आनर्स (कम्युनिटी साइंस) के 26, बीटेक के 83, बीएससी (फिशरीज साइंस) के 34 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

परिषदीय स्कूल के छात्र-छात्राओं को बैग और उपहार देने के बाद उनके साथ में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल (मध्य में)। साथ में अन्य • जागरण

बीघापुर की महिला व हरदोई के शिक्षक का किया जिक्र

राज्यपाल ने नारी सशक्तीकरण पर बात करते हुए उन्नाव के बीघापुर निवासी किरन का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि किरन ने जैविक सिरका बनाने का काम शुरू किया और आज 10 लाख से ज्यादा का कारोबार करती है। हरदोई के शिक्षक अभिषेक ने प्राकृतिक खेती की शुरुआत की और उन्हें देखकर तमाम किसान ऐसा कर रहे हैं।

सीएसए में उपाधि मिलने के बाद उछलकर खुशी व्यक्त करती छात्राएं• जागरण

सीएसए

आइपीएस बनकर करना चाहता देश की सेवा

सीएसए से बीएससी आनर्स (कृषि) की पढ़ाई पूरी करने वाले बृजेश नाग को दीक्षा समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक समेत दो स्वर्ण पदक मिले।

बृजेश ने बताया कि वह आइपीएस बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। तंबौर, सीतापुर निवासी बृजेश के पिता मुद्रिका प्रसाद नाग किसान हैं, वहीं माता मीरा देवी गृहणी हैं।

एमटेक कर प्रोफेसर बनना चाहते हैं जितेंद्र

सीएसए से बीटेक कृषि अभियांत्रिकी की पढ़ाई पूरी करने वाले साढ़, घाटमपुर निवासी जितेंद्र कुमार को कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिला। जितेंद्र ने बताया कि वह एमटेक करने के बाद पीएचडी करेंगे और फिर प्रोफेसर बनेंगे। जितेंद्र के पिता गया प्रसाद किसान हैं और माता राजवती देवी गृहणी हैं।

आइएएस बनकर करनी है किसानों की मदद

गुजैनी निवासी आकांक्षा वर्मा को कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिला। इस मेधावी छात्रा ने कहा कि उन्हें आइएएस बनना है और किसानों की मदद करनी है। आकांक्षा के पिता अरविंद कुमार आइटीबीपी में हेड कांस्टेबल हैं, जबकि माता ओमलता गृहणी हैं। आकांक्षा ने सीएसए से बीएससी (आनर्स) कम्युनिटी विज्ञान में अपनी पढ़ाई पूरी की है।

आइएएस बनना चाहते हैं आकाश

सीएसए से बीएससी आनर्स (वानिकी) की पढ़ाई पूरी करने वाले आकाश गौड़ को कुलाधिपति स्वर्ण समेत दो स्वर्ण पदक मिले।

बरियारपुर देवरिया निवासी आकाश ने बताया कि वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं और आइएएस बनना चाहते हैं। आकाश के पिता राजेश गौड़ कुशीनगर स्थित डिग्री कालेज में क्लर्क हैं, जबकि माता रीतादेवी गृहणी हैं।

शोध के क्षेत्र में बनानी है अपनी पहचान

मैं कृषि क्षेत्र से जुड़े कार्यों में शोध कर अलग पहचान बनाना चाहता हूं। यह बात बीएससी (आनर्स) उद्यान से पढ़ाई पूरी करने वाले राजीव कुमार ने कही। राजीव को दीक्षा समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिला। राजीव रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय विवि झांसी से एमएससी की पढ़ाई कर रहे हैं। राजीव के पिता महेश साहू किसान हैं, जबकि माता कौशल्या गृहणी हैं।

इन छात्र-छात्राओं को भी मिला स्वर्ण पदक

- उमंग तिवारी, बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- सलिल शुक्ला, बीटेक कप्यूटर साइंस, कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- विश्वेष कुमार सिंह, बीटेक, डेयरी टेक्नोलाजी, कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- साक्षी मौर्या, बीएफएससी (फिशरीज साइंस), कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- सत्य श्री तेतली, एमएससी कृषि, कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- जी नागा यशस्वी, एमएससी (उद्यान) कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- स्मृति यादव, एमबीए (एग्री बिजनेस) कुलाधिपति स्वर्ण पदक
- वर्तिका श्रीवास्तव, एमएससी (गृह विज्ञान) कुलाधिपति स्वर्ण पदक